

# गडकरी ने नदियों की गाद निकालने के लिए नये कानून लाने को कहा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय के सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

Posted On: 12 SEP 2017 6:46PM by PIB Delhi

केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी ने नदियों की गाद निकालने के मुद्दे से निपटने के लिए एक नया व्यापक कानून की मांग की है। उन्होंने आज नई दिल्ली में अपने मंत्रालय से संबंधित संसदीय सलाहकार समिति की बैठक को बाढ़ प्रबंधन के मुद्दे पर संबोधित करते हुए कहा कि यह नया कानून राज्यों के परामर्श से तैयार किया जाएगा। देश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि देश में बाढ़ की चुनौतियों को प्रभावी ढंग से निपटना जरूरी है। मंत्री जी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नदियों को जोड़ने और बांधों के निर्माण जैसे कार्यों को भी बाढ़ को कम करने के लिए प्राथमिकता दी जानी चाहिए। श्री गडकरी ने कहा कि हमें अपने देश में बाढ़ के पूर्वानुमान करने वाले नेटवर्क को भी मजबूत करना और सुधारना होगा। बाढ़ के पूर्वानुमान की मल्टी-मॉडल एन्सेबल (एमएमई) और वैश्विक पूर्वानुमान प्रणाली (जीएफएस) के परिणाम का संदर्भ देते हुए मंत्री जी ने कहा कि पूर्वानुमान का समय पांच से सात दिनों तक बढ़ाया जाने का प्रस्ताव है। मंत्री जी ने सदस्यों को बताया कि ओडिशा में महानदी डेल्टा के लिए 0.5 मीटर समोच्च अंतराल के डिजिटल एलिवेशन मॉडल का उपयोग भूक्षेत्र के पूर्वानुमान का सीमित डेटा के साथ किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके परिणाम को राज्य सरकार द्वारा सत्यापन किया जा रहा है और 2018 तक इसके कार्यान्वयन की संभावना है। श्री गडकरी ने कहा कि रडार डेटा को इनुडेशन पूर्वानुमान मॉडल के साथ एकीकृत किया जाना है। साथ ही मंत्री जी ने कहा कि देश में अन्य बाढ़ प्रवण क्षेत्रों के लिए इसी तरह की डिजिटल एलिवेशन मॉडल को 2020 तक लागू करने की योजना है।

बैठक में भाग लेने वाले संसद सदस्यों ने देश में बाढ़ प्रबंधन के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए गए उपायों का समर्थन किया। एक सदस्य ने सुझाव दिया कि नदियों को जोड़ने की परियोजना पर पर अधिक बल दिया जाना चाहिए। एक और सदस्य का मानना था कि बाढ़ को रोकने के लिए गंगा नदी के किनारे अधिक तटबंध का निर्माण किया जाना चाहिए।

संसद सदस्यों श्री ए टी (नाना) पाटिल, श्रीमती अंजू बाला, श्री बहादुर सिंह कोली, श्री धर्मबीर भालेराम, श्री प्रेम सिंह चंदमाजरा, श्री सुनील कुमार मंडल और श्री स्वामी साक्षी महाराज (सभी लोकसभा) तथा राज्यसभा सांसद श्री राम नारायण डूबी ने इस बैठक में भाग लिया।

मंत्रालय में राज्यमंत्रियों डॉ सत्यपाल सिंह और डॉ अर्जुन राम मेघवाल, सचिव डॉ अमरजीत सिंह, केन्द्रीय जल आयोग के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार, एनडीडब्ल्यूए के महानिदेशक श्री एस मसूद हुसैन तथा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिया।

\*\*\*\*\*

वीके/पीकेपी-3746

(Release ID: 1502592) Visitor Counter : 11

